मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 114, मुंबई, शुक्रवार, 3 जुलाई, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

चीन को जवाब देने की तैयारी

सर्जिकल स्ट्राइक करने वाली स्पेशल फोर्स लद्दाख में तैनात

देश में 12 से अधिक स्पेशल फोर्सेज की रेजिमेंट

संवाददाता

नई दिल्ली। चीन से जारी तनाव के बीच भारत ने लद्दाख में स्पेशल फोर्सेज की तैनाती की है। सूत्रों के मुताबिक, देश के अलग-अलग स्थानों से पैरा स्पेशल फोर्स की यूनिट को लद्दाख में ले जाया गया है, जहां वे अभ्यास कर रहे हैं। स्पेशल फोर्सेज ने 2017 में पाकिस्तान के खिलाफ की गई सर्जिकल स्ट्राइक में अहम भूमिका निभाई थी। सूत्रों ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो उनका इस्तेमाल चीन के खिलाफ भी किया जा सकता है। स्पेशल फोर्सेज की टुकड़ियों को पूर्वी लद्दाख में तैनात किया गया है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

जीवीके ग्रुप के चेयरमैन के खिलाफ केस, 705 करोड़ के हेरफेर मामले में सीबीआई ने की कार्रवाई

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

मुंबईः पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल

12 डीसीपी का तबादला

संवाददाता / मुंबई। मुंबई के पुलिस विभाग में प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल किया गया है। 12 पुलिस उपायुक्तों (डीसीपी) का तबादला कर दिया गया है। स्थानांतरण आदेश नौसेना बजाज, संयुक्त पुलिस आयुक्त (प्रशासन) द्वारा जारी किए गए थे। एक अधिकारी ने कहा कि परमजीत दहिया को अब डीसीपी जोन -1, एन अंबिका को डीसीपी जोन -3, प्रणय अशोक को डीसीपी जोन -5, प्रशांत कदम को डीसीपी जोन-7 और विशाल ठाकुर को डीसीपी जोन-11 के रूप में तैनात किया गया है। मोहन दहिकर को डीसीपी (डिटेक्शन), गणेश शिंदे को डीसीपी पोर्ट जोन, रश्मि करंदीकर को डीसीपी साइबर सेल, शाहजी उमाप को डीसीपी स्पेशल ब्रांच के रूप में, संग्रामसिंह निशांत को डीसीपी ऑपरेशंस, नियति ठाकरे दवे को खुफिया विभाग और नंदकुमार ठाकुर को डीसीपी हेड क्वार्टर- 1 के रूप में तैनात किया गया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

साजिशों को जवाब

विश्व मंच पर चीन की भारत विरोधी हरकतें जितनी पुरानी हैं, उतनी ही दुखद और निंदनीय भी। संयुक्त राष्ट्र के मंच पर चीन फिर एक बार इस साजिश में लगा था कि पाकिस्तान के पक्ष में और परोक्ष रूप से भारत के खिलाफ एक निंदा प्रस्ताव पारित हो जाए। पाकिस्तान की ओर से चीन द्वारा पेश प्रस्ताव में विगत दिनों कराची में हुए आतंकी हमले के लिए भारत को इशारों में ही घेरने की साजिश थी। यह प्रस्ताव खुद चीन ने तैयार किया था। वैसे तो किसी भी आतंकी हमले की संयुक्त राष्ट्र के मंच से निंदा सही है, लेकिन इस मंच का नाजायज फायदा किसी को उठाने नहीं देना चाहिए। खुशी की बात है, भारत के समर्थक देश सजग थे और पहले जर्मनी ने इस प्रस्ताव को रोका और फिर अमेरिका भी आगे आया, इससे चुपचाप इस प्रस्ताव को पारित करा ले जाने की चीनी-पाकिस्तानी साजिश नाकाम हो गई। भारत के लिए चिंता की बात यह थी कि पहले पाकिस्तान के विदेश मंत्री और उसके बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री भी कराची आतंकी हमले के लिए भारत को जिम्मेदार ठहरा चुके हैं। इसलिए ऐसे आतंकी हमले की निंदा का चुपचाप प्रस्ताव करना और उसके लिए किसी निर्दोष देश की ओर इशारा करना चीन जैसे कथित वीटो पावर प्राप्त देश को कतई शोभा नहीं देता। बहरहाल, चीन की ऐसी हरकतों के प्रति केवल भारत ही नहीं, अब दुनिया के अन्य महत्वपूर्ण देश भी सजग हो गए हैं। दुनिया में कहीं भी आतंकी हमला हैवानियत से कम नहीं, लेकिन ऐसे किसी हमले के जरिए कूटनीति और राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश भी हैवानियत से कम नहीं है। अपने यहां जायज आवाज उठाने वालों को भी आजीवन करावास देने वाला चीन न जाने कैसे पाकिस्तानी आतंकियों का खुलकर बचाव करता रहा है? जमीनी रूप से आतंकवाद के पोषण में पाकिस्तान की हरसंभव मदद करने से लेकर संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की पक्षधरता तक चीन का कोई भी पहलू दुनिया से छिपा नहीं है। अब खबर आई है कि म्यांमार में अरकान नामक हथियारबंद संगठन को चीन धन और हथियार दे रहा है, ताकि वे भारतीय इलाकों में अशांति फैला सकें। यह बात भी छिपी नहीं है कि हम चुपचाप उसकी साजिशें झेलते रहे हैं। लेकिन ऐसा पहली बार हुआ है, जब भारत ने मजबूर होकर अपनी नीतियों में परिवर्तन शुरू किया है। लंबे अरसे बाद भारत की खामोशी टूटी है और उसने जेनेवा में मानवाधिकार संबंधी परिषद की बैठक में हांगकांग का मुद्दा उठाया है। हांगकांग में भारतीय मूल की आबादी भी बड़ी संख्या में रहती है, अतः भारत ने कहा है कि वह इस मामले पर नजर रखे हुए है। भारत का इतना कहना भी पर्याप्त है। चीन को समझ लेना चाहिए कि आम तौर पर तिब्बत से ताइवान और यहां तक कि भारतीय इलाकों में चीनी दावों के प्रति भी अपेक्षाकृत शालीनता बरतने वाला भारत अब नई दिशा में बढ़ चला है। भारत के खिलाफ लगातार साजिशें करने की चीनी नीति को अब जवाब मिलने लगा है। दुनिया का सबसे विशाल लोकतांत्रिक देश भारत अपनी कूटनीति के प्रति सजग है। चीन के प्रति केवल भारत ही नहीं, बल्कि अमेरिका और ब्रिटेन में भी बड़ी नाराजगी है। कोई भी देश चीन की अतार्किक मनमानी या हस्तक्षेप को झेलना नहीं चाहेगा। विश्व मंच पर चीन को वह फसल अब काटनी पडेगी, जो वह भारत और अन्य देशों में बोता रहा है।

भारत नेपाल संबंध, बोली से गोली तक

विवादित नक्शे के साथ नेपाल में शुरू हुआ भारत विरोध का नया सिलसिला अब और गहरा होने लगा है। भारत-नेपाल सीमा से अक्सर नेपाली शासन के प्रताड़ना और उकसावे के नए-नए घटनाक्रम सामने आ रहे हैं। नेपाल के निराधार, अनैतिक और अनुचित दावे से शुरू हुई उन्माद और उकसावे की ओली कोशिश, गोली से होते हुए सरहदी गांवो के बंदिश और अतिक्रमण तक पहुंच गई है। भारत नेपाल सीमाक्षेत्र के गांवों में नेपाल द्वारा की जाने वाली अमानवीय व्यवहार की घटनाएं निरंतर बढ़ती जा रही हैं। आजाद भारत के इतिहास में यह पहली बार है जब बेटी-रोटी के संबंधों के बीच नेपाल की ओर से कंटीले तार लगाने की कवायद तेज हो गई है। कहा जा सकता है कि दोनों देशों के बीच का ऐतिहासिक संबंध आज नाजुक दौर में है। भारत के प्रति आक्रामक हो रहे नेपाल की प्रकृति और प्रवृत्ति को समग्रता से समझने की जरूरत है। पवित्र कैलाश मानसरोवर यात्रा को सुगम बनाने के लिए भारत द्वारा एक नए संपर्क मार्ग का हाल ही में उद्घाटन किया गया है। उत्तराखंड में बना यह लिंक रोड चीन अधिकृत तिब्बत तथा नेपाल के धारचूला जिले से सटा हुआ है। इस सड़क निर्माण के बाद से ही नेपाल में फिर एक बार भारत विरोधी स्वर अत्यंत प्रबल है। यह स्थिति तब है जब नेपाल के सभी निवासियों का संबंध किसी न किसी रूप में भारत से जुड़ता है। यहां इनकी रिश्तेदारी है, रोजगार है और धर्म के साथ ही सहयोग में खड़ा सदैव एक भारतीय हाथ है। वैसे नेपाल की कुल आबादी 2019 की जनगणानुसार 2.86 करोड़ है। पर अवसरों की कमी के कारण लगभग हर चौथा नेपाली नागरिक देश के बाहर है।

दुनिया भर में रह रहे करीब 75 लाख नेपालियों में से अकेले भारत में 50 लाख नेपाली नागरिक नौकरी और कारोबार के जरिये अपनी आजीविका चलाते हैं। इसका एक आश्चर्यजनक पहलू यह भी है कि कोरोना महामारी के पूर्व तक भारत में कामगार के तौर पर रहने वाले नेपाली नागरिकों की सूची नेपाल सरकार के पास नहीं थी। इस देश की आय का दूसरा बड़ा स्रोत नेपाल भ्रमण पर आए तीर्थयात्री व पर्यटक हैं। यहां घरेलू पर्यटक से भी अधिक अगर कोई पर्यटक आता है, तो वह भारतीय है। फिर भी हम यहां घृणा के पात्र हैं, जबकि कंबोडिया एवं थाईलैंड के राजपरिवार को अपने भारतीय संबंध और हिंदू पहचान के अतीत पर गर्व है। यहां तक कि बौद्ध पहचान व खुली सीमाओं वाले भूटान और म्यांमार को भारत से कोई परेशानी नहीं है, लेकिन नेपाल को होने लगी है। दरअसल नेपाल की आबोहवा में ही पाकिस्तान से मोहब्बत और चीन को लेकर दीवानगी दशकों से है, वह भी तब जब चीन द्वारा बीते दिनों माउंट एवरेस्ट पर अधिकार जताया गया है। यदि कुछ सप्ताह पीछे जाएं तो चीनी नागरिकों द्वारा नेपाल के सत्ता प्रतिष्ठान सिंह दरबार के सामने नेपाली पुलिस बल के साथ हाथापाई की गई थी, जिसमें एक डीएसपी स्तरीय अधिकारी भी चोटिल हुआ था। अगर पिछले वर्ष की बात करें तो यहां चीनी समुदाय के लोगों द्वारा एक बड़े साइबर अटैक को अंजाम दिया गया, जिसमें नेपाल के वित्तीय तंत्र को काफी नुकसान पहुंचा था। ऐसे में हमें उन नेपाल विशेषज्ञ भारतीय मनीषियों से यह सवाल भी पूछना चाहिए जो अब तक केवल सुगौली की संधि और 1950 की द्विपक्षीय संधि को पढ़कर बैठे हैं और मान लिया है कि कोई समस्या नहीं है। अगर कभी कहीं कुछ होता है तो वे बड़ी आसानी से कह देते हैं कि इसमें चीन का हाथ है या फिर आइएसआइ की साजिश है। यही हाल कमोबेश धार्मिक व सामाजिक क्षेत्र में काम रहे अन्य बड़े संगठनों का भी है। दरअसल हिंदू विचार परिवार के ये संगठन भी केवल धार्मिक पहचान की वजह से समग्र नेपाल को अपना मानते हैं, लेकिन ऐसे विचार वाले संगठनों को बांग्लादेश व पाकिस्तान के उदाहरण से भी समझना चाहिए कि मजहब एक होने से सबकुछ सही नहीं हो जाता है। समुदाय की पहचान मजहब से ऊपर होती है।

भारत की आजादी के बाद नई सरकार और नेपाल के राणाशाही के बीच 31 जुलाई 1950 को एक द्विपक्षीय संधि की गई थी। यह संधि तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री पंडित नेहरू और नेपाल नरेश त्रिभुवन वीर विक्रम शाह के बीच थी। इस संधि के तहत भारत ने नेपाल के नागरिकों को वे सभी अधिकार और अवसर दिए, जो भारत के आम नागरिक को उपलब्ध हैं। नेपाली नागरिक भारत में केवल चुनाव नहीं लड़ सकते तथा आइएएस व आइएफएस की परीक्षा नहीं दे सकते हैं। ऐसे ही अधिकार हर भारतीय को नेपाल में भी मुहैया कराए गए, किंतु न तो नेपाल सरकार ने कभी यह अवसर दिया और न ही किसी भारतीय ने उसके लिए दावा किया। वर्ष 1950 के इस द्विपक्षीय संधि के अनुच्छेद आठ के तहत पूर्व में हुए अपमानजनक सुगौली संधि के प्रावधानों को भी निरस्त किया गया था। इस दौरान दोनों देश ने साथ मिलकर सीमांकन करने तथा पूर्व के किसी दावे को भविष्य में नहीं दोहराने का संकल्प भी लिया था। बाद में 1975 में नेपाल ने अपना नक्शा जारी किया था, जिसमें लिंपियाधुरा की 335 वर्ग किमी भूमि को नेपाली भूभाग में नहीं दर्शाया गया था। इसके बाद 26 वर्षों समयावधि में दोनों देशों ने अपनी 1,850 किमी लंबी और खुली सीमा के 98 प्रतिशत हिस्से के रेखांकन का कार्य पूरा कर लिया। किंतु पिछले वर्ष भारत सरकार द्वारा नए केंद्र शासित प्रदेश के रूप में कश्मीर और लद्दाख के नक्शे को नए सिरे से प्रकाशित करने के बाद से यह हो-हल्ला प्रारंभ हो गया है। अगर ये इलाका विवादित होता, तो न ही 1954 से लिपुलेख दर्रे से भारत चीन व्यापार होता और न ही 1962 से यहां इंडो तिब्बत फोर्स तैनात होती। चीन ने भी 2015 के पूर्व यहां कभी नेपाल को एक पक्ष नहीं माना है, तो ये ट्राईजंक्शन कैसे हुआ?

अपनी मिट्टी पे ही चलने का सलीका सीखो

मिट्टी का धर्म है महकना। चुपचाप जमीन बनी रहने वाली मिट्टी को जब परिश्रमी हाथ पुचकारते हैं, वह सकारात्मक प्रतिक्रिया देती है, हुंकार भरती है, मैं हूं। बरसात की बूंदों में यह महक और बढ़ जाती है। किसानों-बागवानों ने तो किसी तरह मिट्टी के साथ संवाद जारी रखा, उन्हें रखना ही था, लॉकडाउन के कारण घरों तक सीमित होने को मजबूर उन लोगों ने मिट्टी के साथ बात की, जिनके पास सब्जियां उगाने लायक जमीन थी।

मिट्टी परिश्रम और स्पर्श की भाषा समझती है और जवाब वस्तुओं की भाषा में देती है। किसी की जमीन ने करेलों से जवाब दिया है, किसी की जमीन ने खीरों की भाषा बोली है। जिस आंगन में कैक्टस होते थे, वहां अपने रंगों और सुंदरता के साथ बात करते हुए फूल भी दिखते हैं। यह लॉकडाउन के कारण मिले वक्त का परिणाम है, वरना नौकरी करने वालों के लिए यह काम किसी खेत की मूली नहीं था। खेत में जाना एक दिलचस्प अनुभव होता है। कितना भरपूर बोलती है मिट्टी! यकीनन जिन लोगों ने मिट्टी के साथ संवाद जारी रखा, उनके यहां न केवल

सब्जियां उगी होंगी, आत्मविश्वास भी लहलहाया होगा। हां, अगर मिट्टी इतनी दयालू है और हर स्पर्श का जवाब देती है तो इसे उन वन महोत्सवों की संभाल भी करनी चाहिए, जिनके तहत लाखों पौधे हर साल रोपे जाते हैं। हिमाचल प्रदेश तो जाना ही हरियाली के लिए जाता है। हरा सोना भी कहते हैं कुछ लोग। यह अलग बात है कि कार्बन क्रेडिट्स के इंतजार में अपने हिमालयी मित्रों के साथ हिमाचल प्रदेश अब तक है। काफी हद तक हरियाली को बचाए रखने वाले हिमाचल प्रदेश के सामने चुनौती यह रहती है कि इसे हरे भी रहना है और आद्रथक रूप से भरे भी रहना है। यानी पर्यावरण संरक्षण का मूल दायित्व निभाने के साथ-साथ औद्योगिक विस्तार भी करना है। मुख्यमंत्री ठाकुर जयराम और उनकी टीम ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट के माध्यम से एक राह खोली है जो फिलहाल कोरोना के कारण रुकी हुई है, लेकिन इसे चलना तो है ही। उधर, प्रदेश सरकार का यह भी प्रयास रहेगा कि चीन से नाराज कंपनियों को हिमाचल आकर्षित करे। तब यकीनन ऐसे मॉडल की आवश्यकता रहेगी कि हिमाचल हरा भी रहे और भरा भी रहे। बहरहाल बरसात आ चुकी है और पौधरोपण की बरसात भी आएगी। प्रदेश सरकार प्रयास कर रही है कि प्रदेश को 27 फीसद हरित आवरण से आगे बढ़ाया जाए। राहत की बात यह है कि 2017 के मुकाबले बीते वर्ष प्रदेश में 334 वर्ग किमी की वृद्धि हुई है। चौंकाने वाली बात यह है कि खुले जंगल में थोड़ी गिरावट दर्ज हुई है। बेशक कानूनी भाषा में प्रदेश में 66 फीसद वन क्षेत्र है। हरियाली के लिए यह आवश्यक है सरकार, विभाग के साथ-साथ लोग भी जंगल का सम्मान करें।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जीवीके ग्रुप के चेयरमैन के खिलाफ केस

705 करोड़ के हेरफेर मामले में सीबीआई ने की कार्रवाई

मुंबई। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 705 करोड़ रुपये की अनियमितता के मामले में जीवीके ग्रुप के चेयरमैन जीवीके रेड्डी और उनके बेटे संजय रेड्डी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। रेड्डी के अलावा सीबीआई मे मामले में मुंबई इंटरनैशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के अलावा एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के साथ-साथ अन्य कंपनियों के कई अधिकारियों के खिलाफ भी केस दर्ज किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने इन सभी लोगों पर 705 करोड़ रुपये

की अनियमितता और साल 2012 से लेकर 2018 के बीच सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। सीबीआई ने अपनी एफआईआर में कहा है कि जीवीके ग्रुप ने एएआई के अज्ञात अधिकारियों की देखरेख में मुंबई एयरपोर्ट के विकास के नाम पर अपनी एमआईएएल कंपनी के जरिए करोड़ों रुपये के फंड्स की हेराफेरी की है। मामले में जीवीके एयरपोर्ट होल्डिंग लिमिटेड, एमआईएएल, जीवीके ग्रुप चेयरमैन जीवीके रेड्डी समेत 14 लोगों और संस्थाओं के खिलाफ सीबीआई ने केस दर्ज किया है।

अनियमितताओं की जांच कर रही सीबीआई: जीवीके ग्रुप ने एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) और कुछ विदेशी कंपनियों के साथ मिलकर मुंबई इंटरनैशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एमआईएएल) नाम से कंपनी बनाई थी। इसमें जीवीके के 50 प्रतिशत से ज्यादा शेयर हैं। आरोप है कि 2012 से 2018 के बीच जीवीके ग्रुप ने एमआईएएल के सरप्लस फंड के पैसे अपनी दूसरी कंपनियों में लगाए थे। यह धनराशि 395 करोड़ रुपये के करीब थी। इतना ही नहीं, कंपनी के मुंबई में होने के बावजूद इसके सरप्लस फंड के पैसों को हैदराबाद के बैंकों में रखा गया। केंद्रीय जांच एजेंसी इन सभी अनियमितताओं की जांच कर रही है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिनमें धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश, जालसाजी आदि शामिल हैं। बता दें कि जीवीके रेड्डी एमआईएएल के चेयरमैन हैं, जबकि उनके बेटे संजय रेड्डी कंपनी में एमजी के तौर पर नियुक्त हैं।

एक दिन में कोरोना के रेकॉर्ड 6330 केस

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में गुरुवार को एक दिन में कोविड-19 के रेकॉर्ड 6330 नए मरीज सामने आए हैं। इससे प्रदेश में संक्रमण के मामले बढ़कर एक लाख 86 हजार के पार पहुंच गए हैं। राज्य में कोरोना महामारी के चलते कुल 125 मरीजों के मौत हुई है। इसमें पूरे राज्य में पिछले 48 घंटों में कुल 110 लोगों की मौत हुई है, जबकि 15 मरीजों की मौत पूर्व के समय में दर्ज की गई है। बता दें कि इससे पहले राज्य में बुधवार को एक दिन में सर्वाधिक 5,537 नए मामले सामने आए थे। महाराष्ट्र सरकार

की ओर से जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार, महाराष्ट्र में गुरुवार को कोरोना के मरीजों की संख्या एक लाख 86 हजार के पार पहुंच गई। जबकि एक दिन पहले मरीजों की कुल संख्या 1,80,298 थी। राज्य में पिछले 24 घंटों में 6330 नए मामले सामने आए हैं। इसके बाद राज्य में कुल 1,86,626 कोरोना मरीज हो गए हैं। राज्य में एक्टिव मरीजों की अब तक की कुल संख्या 77,260 है, वहीं अब तक पूरे राज्य में 8178 लोगों की मौत हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य में आज 125 मरीजों की कोरोना संक्रमण के चलते मौत हो गई। इसमें से पूरे राज्य में पिछले 48 घंटों में कुल 110 लोगों की मौत हुई है। इसमें 15 मरीजों की मौत पूर्व के समय में दर्ज कि गई है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

चीन को जवाब देने की तैयारी

उन्हें उनकी भूमिकाओं के बारे में पूरी तरह से अवगत कराया गया है, जिसे चीन के साथ दुश्मनी बढ़ने पर अंजाम देना पड़ सकता है। भारत में 12 से अधिक स्पेशल फोर्सेज की रेजिमेंट हैं जो अलग-अलग इलाकों में ट्रेनिंग लेती हैं। जम्मू और कश्मीर में तैनात स्पेशल फोर्सेज की टुकड़ियां लेह में और उसके आस-पास के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में नियमित रूप से वारगेम्स का अभ्यास करती हैं। बता दें कि भारत और चीन के बीच मई के शुरूआती दिनों से ही तनाव बना हुआ है। ये तनाव 15 जून को लद्दाख की गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़क के बाद और बढ़ गया। इस झड़प में भारत के 20 सैनिक शहीद हो गए थे, जबकि चीन ने अपने सैनिकों के मारे जाने की कोई जानकारी नहीं दी। दोनों देश बातचीत के जरिए एलएसी पर जारी तनाव को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। भारत और चीन के सैन्य अधिकारियों में कई दौर की बातचीत भी हो चुकी है। चीन एक ओर बातचीत का दिखावा करता है तो वहीं वो धोखे से भारत के सैनिकों पर वार भी कर चुका है। वहीं, भारत अपने सैनिकों की शहादत का बदला चीन से लेना शुरू कर चुका है। सरकार चीन को आर्थिक मोर्चे पर चोट पहुंचा रही है। मोदी सरकार ने चीन के 59 ऐप्स को बैन करके उसे बड़ा झटका दिया। इसके अलावा चीन की कंपनियों से करार भी रद्द किए जा रहे हैं। चीन से तनाव के बीच मोदी सरकार कई बड़े फैसले भी ले रही है। गुरुवार को ही रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक में 21 मिग-29 और 12 सुखोई (एसयू-30 एमकेआई) लड़ाकू विमानों की खरीद के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। इसके साथ ही 59 मिग-29 लड़ाकू विमानों के अपग्रेडेशन की भी मंजूरी दी गई है। मिग-29 लड़ाकू विमानों की खरीद रूस से की जाएगी। साथ ही मौजूदा मिग-21 लड़ाकू विमानों का अपग्रेडेशन भी से कराया जाएगा।

रामपुर हलचल

पेट्रोल एवं डीजल के दामों में वृद्धि को लेकर राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन, दाम कम करने की मांग

टाण्डा (रामपुर)। पेट्रोल एवं डीजल के दामों में वृद्धि को लेकर लोगों में पूर्व रूप से हा हा कार मचा हुआ है राष्टपति को ज्ञापन भेजकर दाम कम करने की मांग उठाई है जिसके दाम आसमान पर जा पहुंचे हैं। पेट्रोल एवं डीजल के दामों को लेकर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ट नेता हाजी सरफराज आलम ने एक पत्र उपजिलाधिकारी ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गौरव कुमार के माध्यम से राष्ट्रपति जी को सम्बोधित कर कहा कि पेट्रोल डीजल के मूल्यों में अभूत पूर्व बढ़ोत्तरी की गई है मोदी सरकार द्वारा पेट्रोल डीजल पर शुल्क कीमतों में बार बार की गई बढ़ोत्तरी ने भारत के नागरिकों को अनेकों प्रकार की परेशानियाँ उत्पन्न कर दी है लॉकडाउन के चलते जहाँ एक तरफ देश स्वास्थ्य व आर्थिक से जूझ रहा है वहीं केन्द्रीय सरकार पेट्रोल व डीजल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क को बढ़ाकर कठिन समय के चलते मुनाफा खोरी कर रही है वर्ष 2014 में भाजपा शासन में पेट्रोल

पर उत्पाद 9.20 रुपेय प्रति लीटर एवं डीजल पर 3.46 रुपेय प्रति लीटर था केन्द्रीय मोजूदा सरकार के पेट्रोल एवं डीजल के दामों पर कई गुना बढ़ोत्तरी कर दी गई है जिसके चलते मुनाफा खोरी एवं जबरन वसूली की सभी हदें पार कर दी गई है सरकार द्वारा देश के नागरिकों का इससे ज्यादा शोषण और क्या हो सकता है 24 जून 2020 को कच्चे तेल का अन्तर्राष्ट्रीय भाव 43.41 अमेरिकी डालर प्रति बैरल था मोदी सरकार के चलते भाजपा सरकार ने पेट्रोल डीजल के दाम आसमान पर पहुंचा दिये हैं जिससे पूरे भारत की जनता को भारी मार झेलना पड़ रही है ज्ञापन देने वालों में पेट्रोल डीजल के दाम एवं उत्पाद शुल्क में की गई सभी बढ़ोत्तरी को तत्काल वापस लिए जाने की मांग की गई है हाजी सरफराज आलम, नवाब तय्यब, मो० इस्लाम, मआज खान, नदीम अख्तर, हाजी सगीर, हाजी लियाकत, मुख्य रूप से ज्ञापन देने वालों में मोजूद थे।

नगरीय मोहल्ला नींम निवासी एक महिला अपने बच्चों के साथ रहकर कर रहीं थी अपना जीवन गुजर बशर

टाण्डा (रामपुर)। नगरीय मोहल्ला नींम निवासी एक महिला अपने बच्चों के साथ रहकर कर रहीं थी अपना जीवन गुजर बशर, महिला का पति बाहर रहकर करता है मेंहनत मजदूरी, महिला का पड़ोसी युवक इमरान से पुत्री का हो गया प्रेम प्रसंग मामला खुलासा होने पर दी गई। पुलिस को सूचना दर्ज न होसकी महिला की रिपोर्ट, पुलिस अधीक्षक को तहरीर देकर की गई रिपोर्ट दर्ज करने की मांग। मोहल्ला नींम निवासी एक महिला अपने बच्चों के साथ रहकर अपना जीवन गुजर बशर कर रही थी जबकि उसका पति मो० उस्मान बाहर रहकर मेंहनत मजदूरी का कार्य करता है महिला पड़ोसी इमरान पुत्र हबिबुर्रेहमान से प्रेम प्रसंग हो गया महिला पुत्री अभी नाबालिंग स्थिति में है दोनों में प्रेम प्रसंग का मामला लगातार चलता रहा युवक महिला की पुत्री को विवाह का झांसा देता रहा युवक किसी तरह रात्री के समय में दिनांक 25.06.2020 को छत के ऊपर से घर में घुस आया किशोरी को अलग कमरे में ले जाकर बलात्कार की घटना को अन्जाम दिया गया घटना की भनक किसी तरह किशोरी की माँ को लग गई तथा विरोध करने पर जाग हो गई युवक वहाँ से मोका पाकर फरार हो लिया घटना से पुलिस को अवगत कराया गया लेकिन रिपोर्ट दर्ज न हो सकी बाद में महिला पुलिस अधीक्षक के समक्ष पेश होकर एवं प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज किये जाने की मांग की गई है प्रेम प्रसंग का मामला लगभग 2 वर्ष से चला आ रहा था।

श्री सनातन धर्म मढ़ी मन्दिर की दुकानों के सामने खाली पड़ी जमीन जो केनाल विभाग के अन्तर्गत आती है

टाण्डा (रामपुर)। श्री सनातन धर्म मढ़ी मन्दिर की दुकानों के सामने खाली पड़ी जमीन जो केनाल विभाग के अन्तर्गत आती है जिसको किरायेदार दुकान स्वामियों द्वारा चबूतरा बनाये जाने के इरादे से उसकी घेरा बन्दी की जा रही थी जबकि खाली पड़ी जगह पर नगर पालिका परिषद पैनी नजर रखे हुए हैं जिसमें नगर पालिका मिट्टी पटान का कार्य भी काफी मोटी लागत के साथ कराया गया है किरायेदार दुकानदार बीच बीच में खाली जगह को देखते हुए हर सम्भव कब्जा किये जाने के प्रयास करते रहेंगे प्राइवेट बस युनियन के मुंशी मु० लईक ने जिलाधिकारी को पत्र प्रेषित कर खली जगह के चारों तरफ दीवार कराये जाने की मांग की हैं जिसके चलते कोई विवाद आदि उत्पन्न न हो सकेगा साथ ही ऐ.पी.जे अब्दुल कलाम बस अड्डा भी सुरक्षित रहेगा।

धूम्रपान करने वाले सावधान

कोरोना की चपेट में आने पर मौत का खतरा ज्यादा

संवाददाता

नई दिल्ली। धूम्रपान करने वालों को गंभीर बीमारियों का खतरा और कोरोना वायरस की चपेट में आने पर मौत का खतरा काफी ज्यादा होता है। यह दावा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने किया है। हालांकि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने यह साफ नहीं किया है कि धूम्रपान करने वालों को कोरोना वायरस की चपेट में आने पर मौत का खतरा कितना होता है? विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि कोरोना वायरस से मरने वालों में उन लोगों की

संख्या ज्यादा है, जो धूम्रपान करते या किसी दूसरी तरह का नशा करते हैं। हालिया कई शोध में यह बात सामने आई है कि जो लोग धूम्रपान करते हैं, उनको गंभीर बीमारियों का खतरा तो होता ही है, लेकिन कोरोना वायरस की चपेट में आने के बाद मौत का जोखिम भी बढ़ जाता है। धूम्रपान करने वालों पर कोरोना वायरस का ज्यादा असर होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने धूम्रपान और कोरोना वायरस को लेकर किए गए 34 शोधों का रिव्यू किया। इसमें पाया गया कि हॉस्पिटल में भर्ती धूम्रपान करने वाले कोरोना मरीजों को मौत का खतरा ज्यादा होता है। वहीं, जो लोग धूम्रपान नहीं करते हैं, उन लोगों को कोरोना वायरस से मौत का खतरा अपेक्षाकृत कम होता है।

सिगरेट पीने वालों में कोविड 19 का खतरा ज्यादा

एक स्टडी के मुताबिक, सिगरेट का धुआं रिसेप्टर प्रोटीन अधिक बनाने के लिए फेफड़े को फुला देता है, जिसका इस्तेमाल कोरोना वायरस मानव कोशिकाओं में प्रवेश करने के लिए करता है। इसलिए धूम्रपान छोड़ने से कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा कम हो सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने धूम्रपान और कोरोना वायरस को लेकर किए गए 34 शोधों का रिव्यू

म्यांमार में दर्दनाक हादसा

बारिश में खदान खिसकने से 100 से ज्यादा लोगों की मौत

नई दिल्ली। म्यांमार में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां जेड माइन में भूस्खलन के कारण 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। उत्तरी म्यांमार में भूस्खलन के बाद कम से कम 100 जेड खनिकों के शवों को गुरुवार को भूस्खलन के बाद बाहर निकाला गया। खबर के मुताबिक काचिन राज्य में चीनी सीमा के करीब भारी बारिश के बाद हुए हादसे को लेकर म्यांमार फायर सर्विसेज डिपार्टमेंट ने फेसबुक पोस्ट में कहा कि काचिन राज्य के जेड-समृद्ध हापकांत क्षेत्र में मजदूर स्टोन जमा कर रहे थे।

जहां खदान खिसकने के कारण हुए भूस्खलन से खनिकों की मौत हो गई। अब तक कुल 113 शव निकाले गए हैं। बचाव टीम का कहना है कि इलाके में भारी बारिश हुई और जिसके बाद कीचड़ का एक बड़ा सैलाब लहर की तरह आया और उसके नीचे स्टोन इकट्ठा कर रहे लोग दब गए। बता दें कि हापकांत की खराब विनियमित खदानों में घातक भूस्खलन और अन्य दुर्घटनाएं आम हैं। हादसे के गवाह बने इलाके के 38 वर्षीय मून खैंग ने कहा कि उन्होंने कचरे के ढेर को देखा, जो ढहने की कगार पर था और जब वह एक तस्वीर लेने ही वाले था तब लोग भागने के लिए चिल्लाने लगे। उन्होंने बताया कि एक मिनट के भीतर सब लोग उसके नीचे आ गए।

वहां कीचड़ में फंसे लोग मदद के लिए चिल्ला रहे थे लेकिन कोई उनकी मदद नहीं कर पा रहा था। पुलिस के मुताबिक हादसे के बाद अभी भी कई मजदूरों के मलबे में दबे होने की आशंका है। राहत एंव बचाव दल शवों को बाहर निकालने का काम कर रहे हैं। हालांकि भारी बारिश होने के कारण राहत एंव बचाव दल को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

मंत्रिमंडल विस्तार के बाद बोले ज्योतिरादित्य...

'टाइगर अभी जिंदा है'

संवाददाता

भोपाल। लंबे इंतजार के बाद मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान मंत्रिमंडल का आज गुरुवार को विस्तार हो गया। 28 मंत्रियों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। मंत्रिमंडल विस्तार में ज्योतिरादित्य सिंधिया समर्थकों को खास तरजीह दी गई है।

मंत्रिमंडल विस्तार के बाद ज्योतिरादित्य ने कहा कि 'टाइगर जिंदा है'। मध्य प्रदेश में अब 2 'टाइगर' हो गए हैं। अभी तक शिवराज सिंह चौहान बोलते थे 'टाइगर जिंदा है' लेकिन आज गुरुवार को मंत्रिमंडल विस्तार के बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी कहा कि 'टाइगर जिंदा है।' सिंधिया के करीब दर्जनभर नेताओं को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। शपथ ग्रहण के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह की तारीफ करते हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, मैं बता दूं कि टाइगर अभी जिंदा है'।

अपने समर्थकों को कैबिनेट में शामिल करवाने पर ज्योतिरादित्य ने कहा, 'जितने भी मंत्री हों, ये नंबर का गेम नहीं बल्कि सेवा का गेम है। शिवराज कैबिनेट में आज 28 नए मंत्रियों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। 20 कैबिनेट मंत्री और 8 राज्य मंत्री बनाए गए हैं। इस शपथ ग्रहण से पहले ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ट्वीट करके लिखा, अन्याय के खिलाफ छेड़ा गया संघर्ष ही धर्म है।

2 साल पहले शिवराज ने भी कहा था

दरअसल, 2018 में मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की हार के बाद जब शिवराज सिंह चौहान सीएम हाउस छोड़ कर जा रहे थे तो वहां आखिरी बार लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था 'टाइगर अभी जिंदा है।' शिवराज मंत्रिमंडल में सिंधिया के करीब दर्जनभर नेताओं को मंत्री बनाया गया है। शपथ ग्रहण समारोह में सबसे पहले गोपाल भार्गव ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली। इसके बाद हरसूद सीट से विधायक विजय शाह ने शपथ ली। फिर मल्हारगढ़ से विधायक जगदीश देवड़ा ने ली शपथ ली। ज्योतिरादित्य सिंधिया के कोटे से पूर्व विधायक बिसाहू लाल सिंह ने भी मंत्री पद की शपथ ली। इसके बाद खुरई से विधायक भूपेंद्र सिंह ने शपथ ली। पूर्व विधायक एंदल सिंह कसाना ने मंत्री पद की शपथ ली। इन्हें दिग्विजय सिंह का करीबी बताया जाता था लेकिन कमलनाथ मंत्रिमंडल में मंत्री पद नहीं मिलने से नाराज होकर कांग्रेस छोड़ दी थी। शिवराज मंत्रिमंडल में शपथ लेने वाले 28 मंत्रियों में मंत्री बने 9 विधायक सिंधिया खेमे के हैं जबकि कांग्रेस के 3 ऐसे बागियों को मंत्री बनाया गया है जिन्होंने कमलनाथ सरकार में मंत्री नहीं बनाए जाने के चलते बगावत कर बीजेपी का दामन थामा था।

देश में 6 जुलाई से खोले जाएंगे सभी स्मारक

होंगे सुरक्षा के सभी प्रबंध

संवाददाता

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की महामाही के बीच देश में छह जुलाई से सभी स्मारक खोले जाएंगे। सरकार के निर्देशों के मुताबिक, सुरक्षा के सभी प्रबंध के साथ देश के अलग-अलग स्मारक खोले जाएंगे। इसमें संस्कृति मंत्रालय और पुरातत्व विभाग के सभी स्मारक खुलेंगे। संस्कृति और पर्यटन मंत्री प्रह्लाद पटेल ने इस बात की जानकारी दी। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए 16 मार्च की रात देशभर के सभी स्मारकों को बंद करने का आदेश दिया था। 17 मार्च की सुबह से देश के सभी स्मारकों पर ताला लग गया। आगे चलकर अनलॉक-1 में

आठ जून से संस्कृति मंत्रलय ने देशभर के 820 स्मारकों को पूजा या प्रार्थना के लिए खोलने की अनुमति भी दी, मगर आगरा के कंटेनमेंट जोन होने के चलते यहां उनमें शामिल 14 स्मारक नहीं खोले जा सके। बता दें, यह स्मारकों की सबसे लंबी तालाबंदी है। इससे पूर्व ताजमहल वर्ष 1971 में भारत-पाक युद्ध के चलते चार से 18 दिसंबर तक और सितंबर, 1978 में यमुना में बाढ़ के चलते सात दिन बंद रहा था। ताजमहल, जरूर लॉकडाउन और अनलॉक-1 से पूर्व बंद रहा हो, लेकिन अन्य स्मारक पहली बार बंद हुए हैं। पर्यटन उद्योग के लिए मौजूदा दिन किसी बुरे सपने की तरह बीत रहे हैं। कोरोना वायरस के चलते एहतियातन स्मारकों पर लगाए गए ताले अनलॉक-1 में भी नहीं खुल पाए जिन्हें अब अनलॉक-2 में खोलने का निर्देश दिया गया है।

ओली ने कुर्सी बचाने के लिए रद्द करवाया संसद सत्र, लेकिन खतरा टला नहीं

नई दिल्ली। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के इस्तीफे की बढ़ती मांग के बीच राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने संसद के चल रहे बजट सत्र को रद्द कर दिया है। राष्ट्रपति ऑफिस से जारी बयान में कहा गया है कि संसद के दोनों सदनों के वर्तमान सत्र को रद्द कर दिया गया है। राष्ट्रपति ने कहा कि ऐसा कैबिनेट की मांग पर किया गया है। इससे पहले गुरुवार को कैबिनेट की बैठक हुई थी और इसी बैठक में संसद के बजट सत्र को रद्द करने की सिफारिश की गई थी।

कैबिनेट की बैठक से पहले केपी शर्मा ओली ने राष्ट्रपति से मुलाकात की थी। बजट सत्र आठ मई से शुरू हुआ था। हालांकि, इस सत्र में आम बजट पेश किया जा चुका था और कई बिल भी पास हो गए थे। कहा जा रहा है कि ओली के पास बहुमत नहीं है और उन्होंने अविश्वास प्रस्ताव से बचने के लिए संसद के सत्र को रद्द करवा दिया है। ओली पर प्रधानमंत्री और पार्टी प्रमुख दोनों पदों से इस्तीफा देने का दबाव है। पार्टी के ज्यादातर सीनियर नेता, सचिव और स्टैंडिंग कमिटी के लोग पार्टी प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री प्रचंड के साथ हैं और सब एक स्वर में इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। ओली ने अपने प्रति पार्टी के भीतर बढ़ते अविश्वास को लेकर भारत पर आरोप मढ़ने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा था कि उनके खिलाफ दिल्ली और काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास में साजिश चल रही है।

हालांकि प्रचंड ने दो टूक कहा था कि उनसे भारत नहीं बल्कि पार्टी इस्तीफा मांग रही है। अगर वे भारत के खिलाफ आरोपों को साबित नहीं कर सकते हैं तो इस्तीफा सौंपे। सत्ताधारी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख पुष्प कमल दहल प्रचंड ने गुरुवार को प्रधानमंत्री ओली के करीबियों से मुलाकात की थी। प्रचंड के मीडिया सलाहकार विष्णु सफोता ने इस बात की पुष्टि की थी कि प्रचंड ने बैठक की थी।

अलग-अलग स्थानों पर आसमानी बिजली गिरने से 10 लोगों की मौत हो गई

संवाददाता

समस्तीपुर। गुरुवार को जिले में विभिन्न स्थानों पर वर्षा और वज्रपात ने दो लोगों की जान ले ली। एक मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र के धुरलख पंचायत की है जहां 32 वर्षीय युवक सुरेश महतो की वज्रपात यानी ठनका गिरने से मौत हो गई। वहीं दूसरी घटना पूसा अंचल के मोरसंड पंचायत की है। मालपुर निवासी 77 वर्षीय राम प्रताप महतो की ठनका गिरने से मृत्यु हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जरूरी कार्रवाई कर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे की जानकारी मिलने पर भाकपा-माले प्रखंड सचिव अमित कुमार ने गहरा शोक व्यक्त किया और कहा कि वज्रपात प्राकृतिक आपदा है,और मृतक अपने परिवार का कमाऊ व्यक्ति था। इसलिए भाकपा माले पीड़ित परिवार को सरकारी सहायता के अतिरिक्त 5 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग की है। ताकि मृतक के परिजन बिना किसी परेशानी के सहज जीवनयापन कर सकें। ईधर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के डढ़िया निवासी रामजी पासवान का 50 वर्षीय पुत्र टुनटुन पासवान जब अपने दरवाजे पर खड़ा था तभी जबरदस्त आसमानी बिजली गिरा। बिजली आवाज से ही उसकी मौत हो

गई। टुनटुन की मौत होने पर आसपास के लोग सहमें हुए हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतक शहर के भारत मेडिकल स्टोर में काम करता था। इसी तरह रोसड़ा अनुमंडल क्षेत्र विभूतिपुर में दिन करीब 1 बजे तेज आंधी पानी के साथ दो अलग अलग जगह पर ठनका गिरने से दो युवक की मौत हो गई। जिसमें एक की पहचान टभका दक्षिण पंचायत के वार्ड 8 पधियारी पुरुषोत्तमपुर निवासी रमेश महतो के 12 वर्षीय पुत्र राजन कुमार के रूप में हुई। इसके घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि राजन आम के बगीचे में था तभी तीव्र गति से आंधी पानी शुरू हो गई और वही ठनका गिरी जिसके चपेट में राजन आ गया जिससे उसकी मौत हो गई। वही दूसरे मृतक युवक की पहचान बेलसंडी तारा पंचायत के वार्ड 3 निवासी राम सुदीन चौधरी के पुत्र सन्नी कुमार चौधरी के रूप में की गई है। इसके घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि प्रखंड क्षेत्र के मुस्तफापुर पंचायत के वार्ड 3 मालिकाना टोला भगवती स्थान में विनोद राय के घर पर शादी समारोह के अवसर पर टेंट लगा रहा था की तेज आंधी पानी के साथ बज्रपात हुई जिसकी चपेट में आने से इसकी मौत हो गई। वही दोनों के मौत के बाद दोनों गांव में मातमी सन्नाटा छाया हुआ है परिजनों का रो रोकर बुरा हाल बना हुआ है। इसी तरह रोसड़ा अनुमंडल क्षेत्र में वज्रपात के चपेट में आने से कुल पाँच लोगों की हुई मौत। जिसमें रोसड़ा प्रखंड क्षेत्र के चाकथात पश्चिम पंचायत के वार्ड नंबर 12 बटहा पोखर स्थित के गणेश पासवान के 8 वर्षीय पुत्र सोनू कुमार एवं अशोक पासवान के 8 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार तथा राजो पासवान के 28 वर्षीय पुत्र विजयकांत पासवान उर्फ रुदल पासवान की मौत ठनका गिरने से हुई हैं। तीनो हसनपुर प्रखंड के काले चंद्रपुर गांव निवासी बताया जा रहा है। वह साईकिल पर सवार हो कर उदयपुर से बटहा पोखर आ रहे थे उसी दौरान वज्रपात हुई जिसमे तीनो लोगों की मौत हो गई हैक सूचना पर पहुंचे रोसड़ा पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है इधर मौत की सूचना जैसे ही मिली तो लोगों की भीड़ जुट गई। लोग परिवार वालों को सांत्वना देने में जुटे हुए हैं। वहीं परिजनों का रो रोकर बुरा हाल बना हुआ है।

रूरल इंडेवियर्स एसोसियेशन के तत्वावधान में स्टीचिंग एवं टेलरिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

संवाददाता

समस्तीपुर। धर्मपुर में राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) योजना अन्तर्गत प्रदान रूरल इन्डेयवर्स एसोसिएशन के तत्वावधान में स्टीचिंग एवं टेलरिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन जीएम, डीआईसी ए.के. सिन्हा एवं डीडीएम नाबार्ड जयंत विष्णु ने किया। जीएम डीआईसी ए.के. सिन्हा ने कहा कि आज के दौर में मास्क बनाकर और उस पर मिथिला पेटिंग कर अच्छी आमदनी की जा सकती है। डीडीएम नाबार्ड जयंत विष्णु ने कहा कि प्रतिभागीयों को मास्क एवं अन्य रेडिमेड सामग्री बनाने की हुनर दी जायेगी। उन्होंने 30 प्रतिभागीयों को एक माह तक गुणवत्तापूर्ण

प्रशिक्षण देने का निर्देश संस्था को दिया। जिससे वे आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बन सके। एलडीएम पी.के. सिंह ने कहा कि इस प्रशिक्षण से अपने-अपने प्रतिभा को निखारे, बैंक हर संभव मदद करेगी। कार्यक्रम का संचालन दिव्या सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र के सचिव महेश कुमार ने किया। मौके पर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के वरीय प्रबंधक विकास कुमार, शाखा प्रबंधक कैलाश चन्द्र राव, औसेफा के निदेशक देव कुमार, संस्था के सचिव विवेक कुमार, मॉ धनमा ज्योति जागृति सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुरेश कुमार, कोषाध्यक्ष संतोष कुमार, अमीत कुमार, प्रशिक्षका गीता राय, प्रज्ञा कुमारी, सृष्टि कुमारी, नेहा कुमारी, ऋतु कुमारी आदि थे।

समस्तीपुर हलचल

एएमआईएम की बैठक संपन्न

समस्तीपुर। वारिसनगर विधानसभा के दमनपुर उतरी पंचायत में ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन की बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता जिला प्रवक्ता इंजीनियर अफसर हैदरी व संचालक जिला सचिव डॉक्टर फाजले आलम साहब ने की इस मौके पर खानपुर प्रखंड अध्यक्ष छोटन खान कल्याणपुर प्रखंड अध्यक्ष वारिस अली और ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन के सभी कार्यकर्ता के साथ पूरे दिनमनपु उतरी में घुम घुम कर जनसापर्क किया गया। इस मौके पर-लालबाबू माझी प्रखंड महासचिव खानपुर, कंचन कुमारी पंचायत अध्यक्ष दिनमनपुर उतरी , लीला देवी पंचायत सचिव, रामेश्वर महतो पंचायत अध्यक्ष रविंद्र झा वार्ड अध्यक्ष -03,धर्मेंद्र माजी वार्ड अध्यक्ष 13,एजाज अहमद वार्ड अध्यक्ष 10,दिलीप पासवान वार्ड अध्यक्ष11, शमशाद खातून पंचायत अध्यक्ष मोहम्मद सोहेल वार्ड सचिव मोहम्मद राजू पंचायत सचिव मोहम्मद शाद प्रखंड सचिव (खानपुर) बनाया गया।

राजद के प्रवक्ताओं एवं मीडिया प्रभारियों की बैठक संपन्न

समस्तीपुर। कपूर्री आश्रम स्थित जिला राजद कार्यालय परिसर में राजद जिलाध्यक्ष राजेन्द्र सहनी की अध्यक्षता में राजद प्रवक्ताओं तथा मीडिया प्रभारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। आगामी 05 जुलाई को राजद के स्थापना -दिवस पर आहूत कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की गयी। स्थापना -दिवस के अवसर पर कपूर्री आश्रम स्थित जिला राजद कार्यालय से समस्तीपुर शहर में 'साइकिल यात्रा' को लेकर रुट-चार्ट तय किया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुए राजद जिलाध्यक्ष राजेन्द्र सहनी ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल, समाजिक न्याय, समाजिक सद्भाव, आपसी प्रेम व भाईचारे की पर्याय है। राजद ने सदैव गरीबों, शोषितों-पीड़ितों, मजदूरों, किसानों के कल्याण के लिए संघर्ष किया है। राजद जिलाध्यक्ष ने कहा की राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव जी समाजिक न्याय, सामाजिक सदभाव, प्रेम, भाईचारे और गरीबो की आन-बान-शान के प्रतीक हैं। वो शोषित-पीड़ितों के मददगार व उनके बुलंद आवाज के मजबूत स्तम्भ हैं। उन्होंने कहा कि राजद सुप्रीमो श्री लालू प्रसाद यादव जी के कुशल मार्गदर्शन में आगामी विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल अपार बहुमत से बिहार में विधानसभा की अधिकांश सीटों पर जीत दर्ज करेगी तथा तेजस्वी यादव जी के नेतृत्व में बिहार में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। बैठक को जिला राजद मुख्य प्रवक्ता सौरभ चौधरी, जिला प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर, जिला प्रवक्ता भिखारी लाल सिंह, मीडिया प्रभारी अरविन्द कुमार शर्मा, मीडिया प्रभारी बबलू यादव, कार्यालय सचिव रोशन यादव, युवा राजद के प्रदेश सचिव राहुल सिंह राणा, राजद नेता विजय कुमार पंडित, राकेश कुमार राय तथा शिवजी महतो आदि ने भी सम्बोधित किया।

कॉ. अरशद कमाल बबलू को इनौस जिला कमिटी में किया गया शामिल, दिया गया भगत सिंह ब्रिगेड की जिम्मेवारी

संवाददाता

समस्तीपुर। शहर के ताजपुर रोड अवस्थित शास्त्री गली में कामरेड प्रमिला राय के निवास स्थान ज्योति रेजिडेंसी में इंकलाबी नौजवान सभा (इनौस) जिला कमिटी की बैठक इनौस जिला अध्यक्ष कामरेड राम कुमार के अध्यक्षता और इनौस जिला सचिव कामरेड आसिफ होदा के संचालन में संपन्न हुआ। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि भाकपा माले जिला सचिव कामरेड उमेश कुमार तथा बतौर अतिथि भाकपा माले जिला कमिटी सदस्य उपेंद्र राय शिरकत किए। बैठक की शुरूआत वैश्विक महामारी कोविड-19 समेत भारत चीन सीमा पर हुए शहीदों को 2 मिनट का मौन श्रध्दांजलि देकर की गई। बैठक में इनौस जिला कमिटी सदस्य कामरेड कृष्ण कुमार, चंद्रवीर कुमार, मो० अलाउद्दीन, दिनेश कुमार सिंह, नौशाद तौहीदी, सुधीर कुमार मिश्रा, मो० अरशद कमाल बबलू, संतोष कुमार, रत्नेश कुमार समेत अन्य दर्जनों इनौस नेता कार्यकर्ताओं ने अपना अपना विचार व्यक्त किए। बैठक में समस्तीपुर, कल्याणपुर, उजियारपुर, वारिसनगर, रोसड़ा विधानसभा क्षेत्रों में बेरोजगारों का राष्ट्रीय रजिस्टर एनआरयू (नेशनल रजिस्टर ऑफ अनइमपलायड)बनाने की माँग को लेकर पदयात्रा करने, यात्रा निकलने, प्रखंड कमिटी की बैठक करने, ताजपुर प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी के द्वारा की जा रही धांधली के खिलाफ दिए आवेदन की उच्च स्तरीय जांच नहीं होने पर लूट भ्रष्टाचार के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन करने, इनौस जिला कमिटी में रिक्त 19 वाँ स्थान पर जिला कमिटी सदस्य के रूप में सर्व सम्मति से कामरेड अरशद कमाल बबलू को शामिल करके भगत सिंह ब्रिगेड बनाने की जिम्मेदारी देने, कामरेड अनिल चौधरी समेत अन्य कार्यकर्त्ताओ पर झूठा मुकदमा के होने के खिलाफ पुलिस अधीक्षक समस्तीपुर से इनौस प्रतिनिधि मंडल दिनांक 6 जुलाई को मिलने समेत कई अन्य निर्णायक निर्णय लिया गया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अगस्त से लेकर सितंबर महीने तक रोजाना जरूर खाएं ये फल

स्वस्थ रहने के लिए ताजे फलों का सेवन करना बहुत जरूरी होता है। इसमें पाए जाने वाले पौषक तत्व शरीर को हैल्दी रखने का काम करते हैं। इन सुपर फूड्स को मौसम के अनुसार खाना चाहिए। अगर बात अगस्त और सितंबर की करें तो इस मौसम में थोड़ा सा बदलाव होने लगता है। इसी वजह से इन दिनों में लोग बीमार की चपेट में जल्दी आ जाते हैं। खुद को बीमारियों से बचाने के लिए इन फलों का सेवन जरूर करें।

आइए जानते हैं वह कौन से फल हैं जिनको अगस्त और सितंबर में जरूर खाना चाहिए।

1. आम
आम खाना सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। इसमें सैचरेटिड फै ट, कोलेस्ट्रोल, सोडियम, विटामिन विटामिन इ-6, विटामिन अ, विटामिन उ और फाइबर भी पाया जाता है। जो लोग अपना वजन बढ़ाना चाहते हैं उनको मैंगो शेक बनाकर पीना चाहिए।

2. जामुन
जामुन एक बरसाती फल है। इस खट्टा-मीठे फल में कैल्शियम, पोटैशियम, आयरन, काबोर्हाइड्रेट, प्रोटीन और विटामिन्स होते हैं जो हमें हैल्दी रखते हैं। इसके साथ ही इसमें आयरन, फोलेट, पोटेशियम और विटामिन आदि पोषक तत्वों से भरा होता है। जामुन खाने से पाचन तंत्र मजबूत होता है।

3. अनार
इन दिनों में अनार खाना बहुत फायदेमंद दोता है। अनार खाने शरीर में खून की मात्रा पूरी होने के साथ ही रंगत में भी निखार आता है। अगर बारिश के मौसम में आपको कभी खांसी-जुकाम हो तो अनार जरूर खाएं। इसके अलावा अनार खाने से रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

4. कीवी
खट्टी-मीठी कीवी खाने में जितनी टेस्टी होती है। सेहत के लिए भी उतनी ही फायदेमंद है। इसमें पाए जाने वाले पौषक तत्व हमें हैल्दी रखते हैं। इसके साथ ही जिन लोगों का पाचन तंत्र कमजोर होता है उनको कीवी जरूर खानी चाहिए।

5. नाशपती
नाशपती इस मौसम में पाई जाती है। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा होती है। इसको खाने से हड्डियां मजबूत होती है। डायबिटीज और दिल के मरीजो को रोजाना नाशपती का सेवन करना चाहिए।

6. चेरीज
चेरीज खाना ज्यादातर लोगों को बहुत पसंद होता है। स्वाद से भरपूर चेरीज में कई पौषक तत्व पाए जाते हैं। इसको खाने से यूरिक एसिड की मात्रा कम होने के साथ ही जोड़ों के दर्द से राहत भी मिलती है।

7. तरबूज
अगस्त के महीने में तरबूज खाना सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। तरबूज में मिठास, पानी और विटामिन ए की मात्रा ज्यादा होती है जो त्वचा और बालों के लिए अच्छा होता है।

इस तरह करें गुड़ का इस्तेमाल, चेहरे पर नहीं रहेगा एक भी दाग-धब्बा!

गुड़ सेहत ही नहीं बल्कि स्किन के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसमें पाए जाने वाले गुण आयरन, कैल्शियम और पौष्टिक तत्व चेहरे पर पड़े दाग-धब्बे को दूर करने के साथ ही रंगत निखारने का काम भी करता है। सबसे खास बात गुड़ बालों को मुलायम बनाने में भी यूजफूल है। आज हम आपको गुड़ किस तरह से आपको खूबसूरत बनाने में आपकी मदद करता है।

1. एक्ने और मुंहासों में लाभदायक
चेहरे पर एक्ने और मुंहासों को दूर करे के लिए गुड़ खाए। आप चाहे तो इसका पेस्ट भी चेहरे पर लगा सकते हैं। पेस्ट बनाने के लिए 1 चम्मच गुड़, 1 चम्मच टमाटर का रस, आधा चम्मच नींबू का रस, चुटकीभर हल्दी और थोड़ी गर्म ग्रीन टी मिलाएं। अब इस पेस्ट को चेहरे पर 15 मिनट तक लगाएं।

2. चेहरे की झुर्रियां
उम्र बढ़ने के साथ या फिर किसी और कारण से चेहरे पर झुर्रियां पड़ने लगती है। गुड़ में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट चेहरे को रिंकल फ्री रखते हैं। गुड़ को खाने से झुर्रियां कम होने के साथ ही उम्र भी कम लगेगी।

3. खूबसूरत बाल
गुड़ में मुल्तानी मिट्टी, दही और पानी मिलाकर एक पैक बनाएं। इस पैक को बाल धोने से एक घंटा पहले लगा लें। इसके बाद ठंडे पानी से बाल धो लें। ऐसा करने से बाल मुलायम होने के साथ ही चमकदार भी होंगे।

4. स्किन के लिए जरूरी
गुड़ में पाए जाने वाले विटामिन्स और मिनरल्स स्किन के लिए बहुत जरूरी होते हैं। गुड़ खाने से कब्ज से राहत मिलती है। जब आपका पेट साफ होता है स्किन ग्लों करने लगेगी। रोजाना 1 गिलास गुनगुने पानी में गुड़ डालकर रोजाना पीएं।

5. खून साफ करता
गुड़ खाने से खून साफ होने के साथ एनीमिया की समस्या से भी राहत मिलती है। खून साफ होने से पिंपल्स भी नहीं होते।

शादी के दिन चाहिए परफैक्ट लुक तो ट्राई करें ये प्री-वैडिंग ब्यूटी टिप्स

अपनी शादी का दिन हर किसी के लिए खास होता हैं। दूल्हा-दुल्हन शादी से कुछ महीने पहले ही अपनी सेहत व सौंदर्य पर ध्यान देना शुरू कर देते हैं। शादी के दिन दूल्हें से ज्यादा सभी की नजरें दुल्हन पर टिकी होती है इसलिए दुल्हन को शादी से पहले अपनी ब्यूटी को निखारने के लिए काफी प्लानिंग करनी पड़ती हैं। चलिए आज हम आपको शादी से पहले किए जाने वाले कुछ ब्यूटी टिप्स बताते है जिन्हें शादी के 1 महीना पहले ट्राई करना शुरू करेंगे तो शादी के दिन दुल्हन के चेहरे पर नैचुरल ग्लो आएगा।

1. सी.टी,एम
चेहरे पर नियमित क्लींजिंग, टोनिंग और मॉइस्चराइजिंग करें। इससे स्किन पर चमक आएगी व स्किन हमेशा यंग दिखेगी। वहीं क्लींजिंग चेहरे पर मौजूद गंदगी को साफ कर चेहरे के बंद हुए पोर्स को खोलने में मदद करेंगी। टोनिंग के जरिए रोम छिद्रों में कसाव आएगा। मॉइस्चराइज करने से चेहरे पर नमी बनी रहेगी।

2.एक्सफोलिएट
स्किन के डेड सेल्स व ब्लैकहैड्स को दूर करने के लिए त्वचा को एक्सफोलिएट करना जरूरी है। सप्ताह में 2 या 3 बार चेहरा धोने से पहले अपनी त्वचा को एक्सफोलिएट करें। त्वचा को एक्सफोलिएट करने से पहले माइल्ड फेसवॉश का इस्तेमाल करें। इसके बाद होममेड स्क्रबिंग करें। इसके लिए चावल के आटे में गेंहू का आटा मिलाकर स्किन को एक्सफोलिएट करें।

3. फेशियल व हेयर स्पा
शादी से कम से कम छह महीने पहले ही चेहरे व बालों को स्पा देना शुरू कर दें। महीने में एक बार जरूर अपने बालों व स्किन को स्पा दें। इससे स्किन ग्लोइंग व हेयर शाइनी बनेंगे। किसी भी तरह का कैमिकल्स वाला हेयर स्पा और मास्क इस्तेमाल करने से पैच टेस्ट जरूर लें।

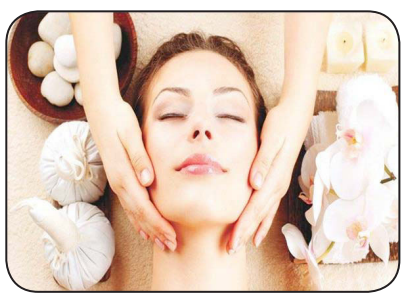

4.क्लीनिंग सेटिंग्स और होममेड उपचार
स्किन पर कई तरह मार्क्स या स्पोट्स हटाने के लिए क्लीनिंग सेटिंग्स आपको जल्दी स्पॉट-फ्री स्किन दिलाने में मदद कर सकती हैं। अगर आपकी त्वचा पैची, सनबर्न पिग्मेंटेशन की वजह से खराब हो गई है तो ऑफिशियल ट्रीटमेंट लें। इसके अलावा आप होममेड फेशियल जैसे मैश की हुई स्ट्रॉबेरी, सेब, पपीते का पैक बना चेहरे पर इस्तेमाल कर सकते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

...1 पोस्ट कर करोड़ों रुपये कमा लेती हैं प्रियंका चोपड़ा

हर साल की तरह इस बार भी इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाले सितारों की लिस्ट जारी हुई है। साल 2019 में इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाले सिलेब्रिटीज में दो भारतीय स्टार्स भी शामिल हैं। जी हां प्रियंका चोपड़ा और विराट कोहली इस लिस्ट में शामिल होनेवाले दो मात्र भारतीय सिलेब्रिटीज हैं। hopperhq वेबसाइट ने पिछले साल इंस्टाग्राम पर कमाई करने वाले इन सितारों की लिस्ट जारी की है, जिसमें प्रियंका चोपड़ा 28वें नंबर पर हैं, जबकि भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली दो पायदान ऊपर 26वें नंबर पर हैं। पिछले साल प्रियंका 19वें पायदान पर थीं और कोहली 23वें नंबर पर थे। जहां प्रियंका चोपड़ा को एक पोस्ट पर लगभग 2.15 करोड़ रुपये मिले हैं, वहीं विराट कोहली ने एक पोस्ट से करीब 2.21 करोड़ रुपये की कमाई की है।

नेपोटिज्म पर आया जिमी शेरगिल का रिऐक्शन

बॉलिवुड ऐक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद एक बार फिर बॉलिवुड में नेपोटिज्म की बहस छिड़ गई है। इस बीच ऐक्टर जिमी शेरगिल का भी इस मामले पर रिऐक्शन आया है। इससे पहले इस मुद्दे पर सोनू निगम, कंगना रनौत, कुमार सानू, सैफ अली खान जैसे सिलेब्स अपनी प्रतिक्रिया दे चुके हैं। हाल ही में जिमी ने इंस्टाग्राम लाइव पर फैंस से बातचीत के दौरान परिवारवाद पर चल रही बहस को लेकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, यह तो हर फील्ड में होता है। अगर कोई व्यापारी अपने बेटे को व्यापारी बनाना चाहता है तो इसमें कोई बुराई नहीं है। परिवारवाद के कारण अगर किसी नए कलाकार की राह में दिक्कत आती है तो यह गलत है। इस दौरान जिमी ने बताया कि खुद को डिप्रेशन और निराशा से कैसे दूर रखा जा सकता है। उन्होंने बताया, करियर की शुरूआत में मैं हर चीज के बारे में बहुत ज्यादा सोचता था। साल 1996 में फिल्म माचिस की शूटिंग के दौरान डायरेक्टर गुलजार ने मुझे सिखाया कि ऐक्टर के लिए लगातार काम करते रहना ही सबसे महत्वपूर्ण होता है। किसी प्रॉजेक्ट की सफलता पर ज्यादा घमंड नहीं करना चाहिए और न ही असफलता से ज्यादा परेशान होना चाहिए। उसे वहीं छोड़कर आगे बढ़ना ही डिप्रेशन और निराशा से बचने का सबसे बड़ा मंत्र है।

ऐक्ट्रेस आलिया को मिला अकैडमी से इन्विटेशन

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस आलिया भट्ट को हाल ही में अकैडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स ऐंड साइंसेस की ओर से मेंबर बनने के लिए इन्वाइट किया गया। उन्होंने इसे स्वीकार किया और इस तरह अगले ऑस्कर के लिए उनके पास वोट के राइट्स होंगे। इन्विटेशन को स्वीकार करते हुए और इसकी प्रशंसा करते हुए आलिया ने इंस्टाग्राम पर लिखा, मुझे इन्वाइट करने के लिए अकैडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स ऐंड साइंसेस को धन्यवाद देती हूं। मैं सम्मानित महसूस कर रही हूं। यही नहीं, ऐक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर तंज कसते हुए कहा कि यह लोगों को डिवाइड कर रहा था। उन्होंने कहा, इस अनिश्चित दुनिया में और ऐसे समय में जब लोगों को जोड़ने वाला सोशल मीडिया उन्हें डिवाइड कर रहा हो, फिल्में ऐसा जरिया हैं जो हमें जोड़ता है। बता दें, आलिया तब लोगों के निशाने पर आ गई थीं जब सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद एक बार फिर बॉलिवुड में नेपोटिज्म की बहस छिड़ गई। इसके लिए ऐक्ट्रेस को भी काफी ट्रोल किया गया जिसके बाद उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कॉमेंट का ऑप्शन लिमिटेड कर दिया।